11 कबीर के दोहे

काल्ह करे सो आज कर, आज करे सो अब।
पल में परलै होयगी, बहुरि करेगा कब॥

साँईं इतना दीजिए, जामे कुटुम समाय।
मैं भी भूखा ना रहूँ, साधु न भूखा जाय॥

निंदक नियरे राखिए, आँगन कुटी छवाय।
बिन साबुन पानी बिना, निरमल करे सुभाय॥

जाति न पूछो साधु की, पूछ लीजिए, ज्ञान।
मोल करो तलवार का, पड़ा रहन दो म्यान॥

सोना, सज्जन, साधुजन, टूटे जुरै सौ बार।
दुर्जन, कुंभ-कुम्हार के, एकै धका दरार॥

पोथी पढ़ि-पढ़ि जग मुआ, पंडित भया न कोय।
ढाई आखर प्रेम का, पढ़ै सो पंडित होय॥

बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलया कोय।
जो दिल खोजा आपनो, मुझ सा बुरा न कोय॥

– कबीर

शब्दार्थ

बहुरि – दुबारा
साँईं – ईश्वर, भगवान
कुटुम – सगा-संबंधी
नियरे – पास, निकट
आखर–अक्षर
मुआ–मर गया
निन्दक–निन्दा करने वाला
म्यान–तलवार रखने का खोल

© JBSTBPC
WEBCOPY NOT TO BE PUBLISHED

प्रश्न-अभ्यास

पाठ से

1. **पठित पाठ के आधार पर निम्नांकित कथनों पर सही (☒) या गलत (×) का निशान लगाइए**

   (क) प्रेम की भाषा बोलने वाला ही पंडित होता है।

   (ख) निन्दा करने वालों को दूर रखना चाहिए।

   (ग) कोई भी बात सोच-समझकर बोलनी चाहिए।

   (घ) सज्जन व्यक्ति टुटता-जुड़ता रहता है जबकि दुर्जन व्यक्ति टुटता है तो जुड़ता नहीं।

2. पठित पाठ में कौन-सा दोहा आपको सबसे अच्छा लगा और क्यों?
3. कबीर के उस दोहे का उल्लेख कीजिए, जिसमें सज्जन, साधुजन और सोने की तुलना की गयी है।

पाठ से आगे

1. "कबीर के दोहे जीवनोपयोगी एवं व्यावहारिक शिक्षाओं से भरे पड़े हैं।" पाठ के आधार पर इस कथन को स्पष्ट कीजिए।
2. कबीर के दोहे का अध्ययन करने के पश्चात् उनके व्यक्तित्व के बारे में कल्पना कीजिए एवं लिखिए।
3. हमें काम को कल के भरोसे क्यों नहीं टालना चाहिए?

व्याकरण

1. निम्नलिखत शब्दों के पर्यायवाची लिखिए-

   (क) परले .... (ख) नियर ....

   (ग) बहुरि .... (ग) आखर ....

2. कुछ ऐसे शब्दों का संग्रह कीजिए, जिसमें 'जन' लगा हो।

   जैसे- दुर्जन, जनतंत्र

3. दोहे की दी गई पंक्तियों को नीचे दिए गए उदाहरण के अनुसार बदलकर लिखिए-

   उदाहरण — जाति न पूछो साधु की
   — साधु की जाति न पूछो

   (क) "मोल करो तलवार का" (ख) "बुरा जो देखन मैं चला"

गतिविधि

1. कबीर की भाँति अन्य कवियों ने भी उपदेशात्मक दोहे लिखे हैं। उनके कुछ दोहों को साफ-साफ बड़े अक्षरों में लिखकर अपनी कक्षा में दीवार पर चिपकाइए।
2. 'कबीर एक समाज सुधारक थे।' इस विषय पर अपने शिक्षक, अभिभावक एवं सहपाठियों से चर्चा कीजिए।

WEBCOPY: BSTBPC NOT TO BE PUBLISHED